आत्मान्वेषी

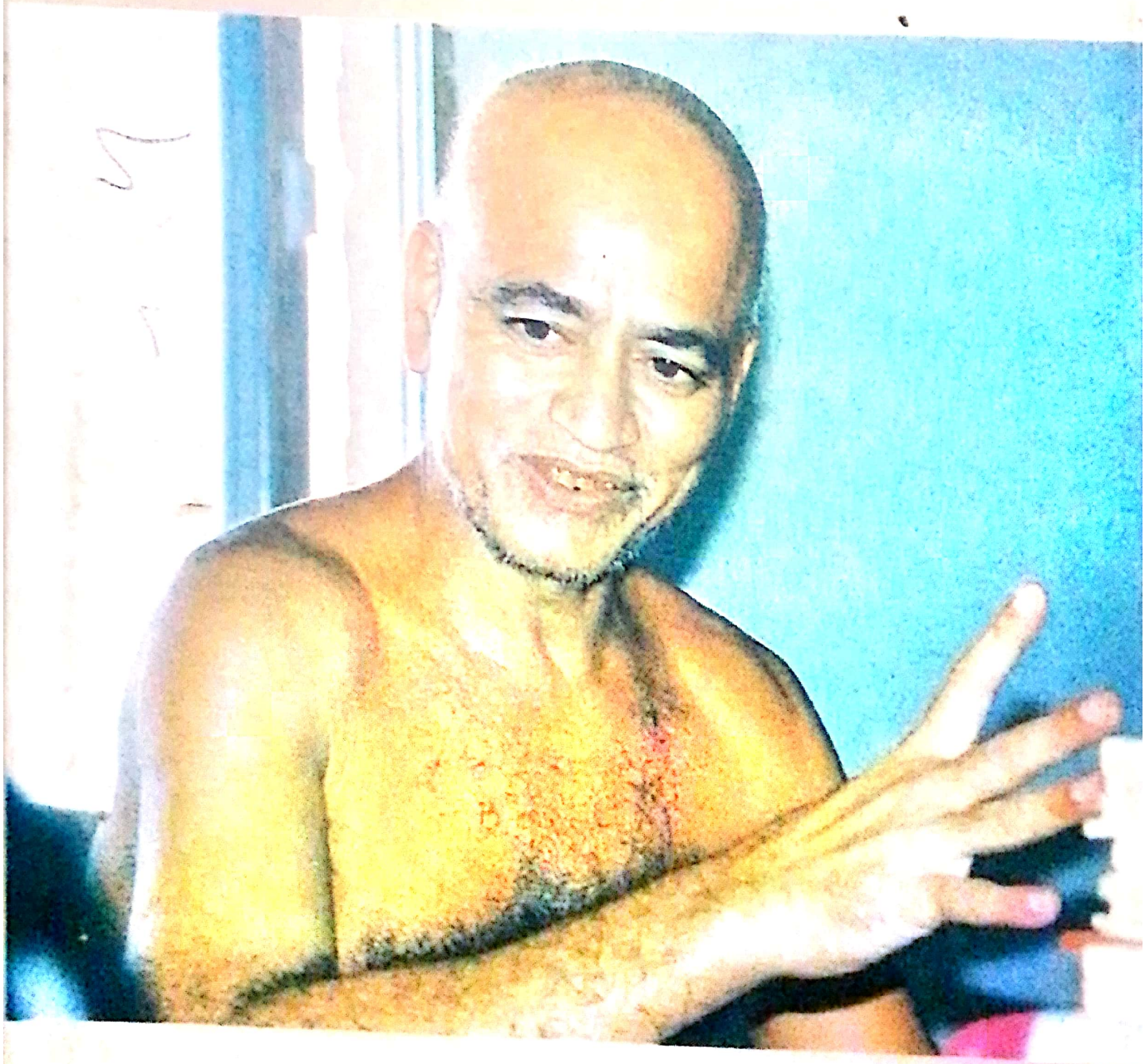

मुनि क्षमासागर

Scanned with OKEN Scanner

मूल्य : रु. 30.00

ISBN 81-7135-017-8

आत्मान्वेषी

© लेखक - मुनि क्षमासागर

संशोधित संस्करण : पंचम, जून 1999

प्रकाशक : विद्या प्रकाशन मांदेर, 1681, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

शब्द संयोजन : शेफाली लेज़र सिस्टम, दिल्ली-110032

मुद्रक : शगुन आफॅसेट, नयी दिल्ली 6180575, 6180574

प्राप्ति स्थान

1. गिफ्ट गारमेन्ट
   माधवगंज विदिशा (म॰ प्र॰)
2. संतोष कुमार जय कुमार (वैटरी वाला)
   कटरा बाजार, सागर (म॰ प्र॰)

Ātmānveṣī (a life sketch of Ācārya Vidyā Sāgara jī)
by Muni Kṣamāsāgara

Scanned with OKEN Scanner

आत्मान्वेषी

"जन्म से ही तुम्हारी देह का उजलापन और चेहरे पर खेलती मुस्कान सभी को बरबस अपनी ओर आकृष्ट कर लेती थी। जो भी देखता, तुम्हें गोद में उठाने के लिए बेचैन हो उठता था। अब तो वीतराग सौन्दर्य ने जन्म के उस आकर्षण को दोगुना कर दिया है। जो भी आता है वह तुम्हें नितान्त अपना मान बैठता है और सारा जगत मानो उसे पराया हो जाता है।"

Scanned with OKEN Scanner